

उत्तरांचल शासन
वन एवं ग्राम्य विकास शाखा
कृषि विभाग
सं०-२७१/वन एवं ग्रा० वि०/कृषि/२००१
देहरादून : दि०-२७ जनवरी २००१

कार्यालय ज्ञाप

अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना है कि कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय भारत सरकार (नीति एवं योजना प्रभाग) द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए चालू २७ केन्द्र पूर्वोनिधानित योजनाओं को समाप्त करते हुए राज्य कार्य योजना के अंश के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है। तथा इस निर्णय के क्रम में पॉच विभागों (सहकारिता विभाग, कृषि विभाग, गन्ना विकास विभाग व उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण तथा वन विभाग) को वर्ष २००१-०२ वार्षिक योजनाएँ बनाते समय केवल एक ही शीर्षक केन्द्र पूर्वोनिधानित योजना (कृषि मंत्रालय) के रूप में योजना प्रस्तुत किये जाने के निदेश हैं। राज्य कार्य योजना निर्माण हेतु प्रमुख सचिव, वन एवं ग्राम्य विकास की अध्यक्षता में एक विभागीय समन्वय समिति का गठन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके सदस्य निम्नवत् हैं।

१. प्रमुख सचिव, एवं आयुक्त वन एवं ग्राम्य विकास
२. वन सचिव
३. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तरांचल
४. निदेशक, कृषि
५. निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण
६. निबन्धक, सहकारी समितियाँ
७. आयुक्त, गन्ना एवं चीनी

अध्यक्ष

सदस्य

सदस्य, सचिव

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

- २- उपर्युक्त समिति राज्य कार्य योजना निर्माण कर उसे कृषि मंत्रालय भारत सरकार के अनुमोदनार्थ प्रेषित करेंगी। तथा राज्य कार्य योजना से सम्बद्ध।
- ५ विभाग अपनी वार्षिक योजना २००१-०२ में तदोपरान्त पूर्व विभागीय व्यवस्थानुसार प्राविधान करायेगा, तथा इसे एक ही पूर्वोनिधानित योजना के नाम से वार्षिक योजना में सम्मिलित किया जायेगा।
३. नोडल विभाग के रूप में चूंकि वन विभाग में पर्याप्त वरिष्ठ अधिकारी/कर्मचारी उपलब्ध हैं और चालू योजनाओं में सबसे अधिक वित्तीय सहायता वन विभाग से प्राप्त की जा रही है। अतः वन विभाग को इस राज्य कार्य योजना के निर्माण हेतु नोडल विभाग को नामित किया जाता है।

डा० आर.एस.टोलिया
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त

सं० २७१/(१) तददिनांक २७.०१.२००१

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :—

१. सचिव वन विभाग उत्तरांचल, शासन।
२. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तरांचल, देहरादून।
३. निदेशक, कृषि/उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण/सहकारी समितियाँ, गन्ना एवं चीनी उद्योग।
४. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
५. निजी सचिव, प्रमुख सचिव, वन एवं ग्राम्य विकास शाखा, उत्तरांचल।

आज्ञा से

डा० पी० एस० गुसाई
अपर सचिव

उत्तरांचल शासन
वन एवं ग्राम्य विकास शाखा
कृषि विभाग
संख्या 475/व. एवं ग्रावि./कृषि/2001,
देहरादून : दिनांक : मार्च 21, 2001

कार्यालय-जाप

कार्यालय जाप संख्या 271/वन एवं ग्राम्य विकास/कृषि/2001 देहरादून : दिनांक 27-01-2001 में निम्न प्रकार आशिक संशोधन किया जाता है।

- (1) प्रस्तर-1 में प्रमुख वन संरक्षक उत्तरांचल को विभागीय समन्वय समिति का सदस्य सचिव नामित किया गया था, जिनके स्थान पर कृषि निदेशक, उत्तरांचल को सदस्य सचिव नामित किया जाता है। प्रमुख वन संरक्षक उत्तरांचल समिति के सदस्य बने रहेंगे।
- (2) प्रस्तर-3 में संशोधन करते हुए वन विभाग के स्थान पर कृषि विभाग को इस राज्य कार्ययोजना के निर्माण हेतु नोडल विभाग नामित किया जाता है।

(डा० आर०एस० टोलिया)

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त

संख्या 474/तददिनांक

प्रतिलिपि - निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सचिव, वन विभाग, उत्तरांचल शासन।
2. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तरांचल देहरादून।
3. निदेशक कृषि/ उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण/निवन्धक सहकारी समितियां/आयुक्त गन्ना एवं चीनी उद्योग।
4. निजी सचिव, भूत्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
5. निजी सचिव, प्रमुख सचिव, वन एवं ग्राम्य विकास शाखा, उत्तरांचल।

आज्ञा से
(गुसाई)
अपर सचिव